an>

Title: Need to construct a bridge across river Gandak between Pakhnaha in Bettiah, Bihar and Tamkuhi in Kushinagar district, Uttar Pradesh.

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण) : भगवान बुद्ध ने आखिरी बार अपने शिष्यों को केसरिया (बिहार) में संबोधित किया था तथा वहाँ से कुशीनगर (उ0प्र0) प्रस्थान कर गए थे जहां उनका महानिर्वाण हुआ। वे गंडक नदी को पखनाहा-तमकुही से पार किए थे। वर्षों से बिहार तथा उत्तर प्रदेश के नागरिक पखनाहा-तमकुही घाट पर पुल बनाने हेतु संघर्षरत हैं।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध हे कि बुद्धा सर्किट मार्ग में बेतिया से कुशीनगर पथ में पखनाहा-तमकुही पुल को शामिल किया जाए जिससे इस मार्ग से नन्दनगढ़ बौद्ध स्तूप, अररोज एवं लोरिया अशोक स्तम्भ सीधे कुशीनगर से जुड़ सकें और भगवान बुद्ध द्वारा चले गए मार्ग से पर्यटक सीधे बौद्ध स्थलों का दर्शन कर सकें।